महाकवि गालिबः सार्वा १००० व्याप

ग्रोर

Hindi Eccentu Liviary No .. 5.73 उनका उदू काञ्य। ग्रेस्टर्ग है कि कि

हैं और भी दुनियाँमें सख़ नवर बहुत अच्छे। कहते हैं कि ग़ालिबका है अन्दाज़ें बयाँ और।

लेखक-ज्वालादत्त शम्मो